अमर उजाला

बरेली
बुधवार, 1 मार्च 2017

निशांत को देखने न मां आई और न बाबा

फोन नहीं उठता, कर्ज अधिक चढ़ जाने से हैं परेशान

अमर उजाला ब्यूरो

बरेली।

श्री राममूर्तिस्मारक मेडिकल कॉलेज के आईसीयू वार्ड में जीबीएस जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे चार साल के निशांत के माता पिता मंगलवार को भी उसे देखने नहीं पहुंचे। बालक कुछ बोलने की स्थिति में नहीं है लेकिन उसकी निगाहें टुकर टुकर हर आने जाने वाले को देख रही हैं। इस बीच अस्पताल के सूत्रों से जानकारी मिली है कि कर्ज अधिक चढ़ जाने से निशांत के पिता परेशान थे। अब तक मात्र से आठ लाख रुपये का खर्च तो उन्होंने वहन किया है जबकि अस्पताल की भी तीन लाख से अधिक की देनदारी हो चुकी है। निशांत का आपरेशन कैसे किया जाए और उसका आगे इलाज कैसे हो इस पर बुधवार को अदालत से निर्देश मिलने की

उम्मीद है।

निशांत के इलाज की फाइल पर उसके पिता का नाम कांता प्रसाद निवासी अवध धाम कॉलोनी इज्जतनगर लिखा है। कंटेक्टर के कालम में उनका मोबाइल नंबर 9457694467 अंकित है। इस नंबर पर अस्पताल खर्चों के साथ ही अमर उजाला की तरफ से सोमवार रात और मंगलवार को कई बार कॉल की गई। घंटी तो गई, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ।

अवध धाम कॉलोनी में भी जानकारी करने पर लोगों ने कांता प्रसाद नाम के व्यक्ति के न रहने की बात कही। उधर, अस्पताल प्रशासन ने बताया कि निशांत को देखने के लिए मंगलवार को भी कोई नहीं आया। उसका हर दिन की तरह अस्पताल की तरफ से इलाज चला। अस्पताल के स्टाफ ने ही उसे नली से दूध, शूप और मुंह से चावल, दाल, आलू का मांड पिलाया। निशांत को दूसरी बार 17 अगस्त 2016 को उसके पिता ने एसआरएमएस में भर्ती कराया था और करीब चार महीने से अस्पताल नहीं आए।

अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि उन्हें अब निशांत के माता-पिता की भी चिंता हो रही है क्योंकि लंबे समय तक वह बेटे के इलाज में लगे थे और करीब सात-आठ लाख खर्च भी कर चुके हैं। कांता प्रसाद प्रापर्टी के धंधे से जुड़े थे और कई लोगों का कर्ज भी उन पर है। शायद एक वजह यह भी हो कि परिवार सामने नहीं आना चाह रहा है। सिविल जज की अदालत में उन्हें हाजिर करने की अर्जी पर बुधवार को फैसला अपेक्षित है।